Regarding inclusion of tribal languages in the Eighth Schedule.

श्री सालखन मुर्मू (मयूरभंज) : उपाध्यक्ष महोदय, बड़े दुर्भाग्य की बात है आज तक भारतर्वा में जितनी आदिवासी भााएं हैं, उनमें से एक भी भाा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है। यह संविधान में मौलिक रूप में अनुच्छेद 29 में रखी गई हैं। किन्तु दूसरी ओर जब हमारे लोग शांतिपूर्ण ढंग से इस मांग के लिए जुलूस या प्रदर्शन करते हैं तो कहीं उन पर लाठी चार्ज होता है या कहीं पर बर्बरतापूर्ण व्यवहार होता है। अभी आठ अप्रेल को बिहार के पश्चिमी सिंहभूम जिले के राजनगर पुलिस थाना क्षेत्र में ऐसा हुआ था। इसकी सूचना हमने एस.पी. और डी.सी. को दी, लेकिन उसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं सरकार से अपील करना चाहता हूं कि जो मौलिक अधिकार की बात है और जो हमारी मांग है उसको मानना चाहिए। इसके एवज में हमारे नेता बिशु मुर्मू, जो प्रदेश सभापति, संथाली भाा मोर्चा, को गिरफ्तार किया गया है। उनके साथ बदसलूकी का व्यवहार किया जा रहा है। अगर ऐसा व्यवहार आदिवासियों के साथ होता रहा तो यह संविधान की भी तौहीन है।